अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 अयोध्या में सद्भाव की प्रतिष्ठा, जन्मस्थान पर विराजमान हुए प्रभु श्रीराम...
6 बैजबॉल' कर जाएगा बैकफायर..जसप्रीत बुमराह ने दिया इंग्लैंड को ओपन चैलेंज
7 लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग ..स्वीकृति

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-52 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 23 जनवरी से 29 जनवरी 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

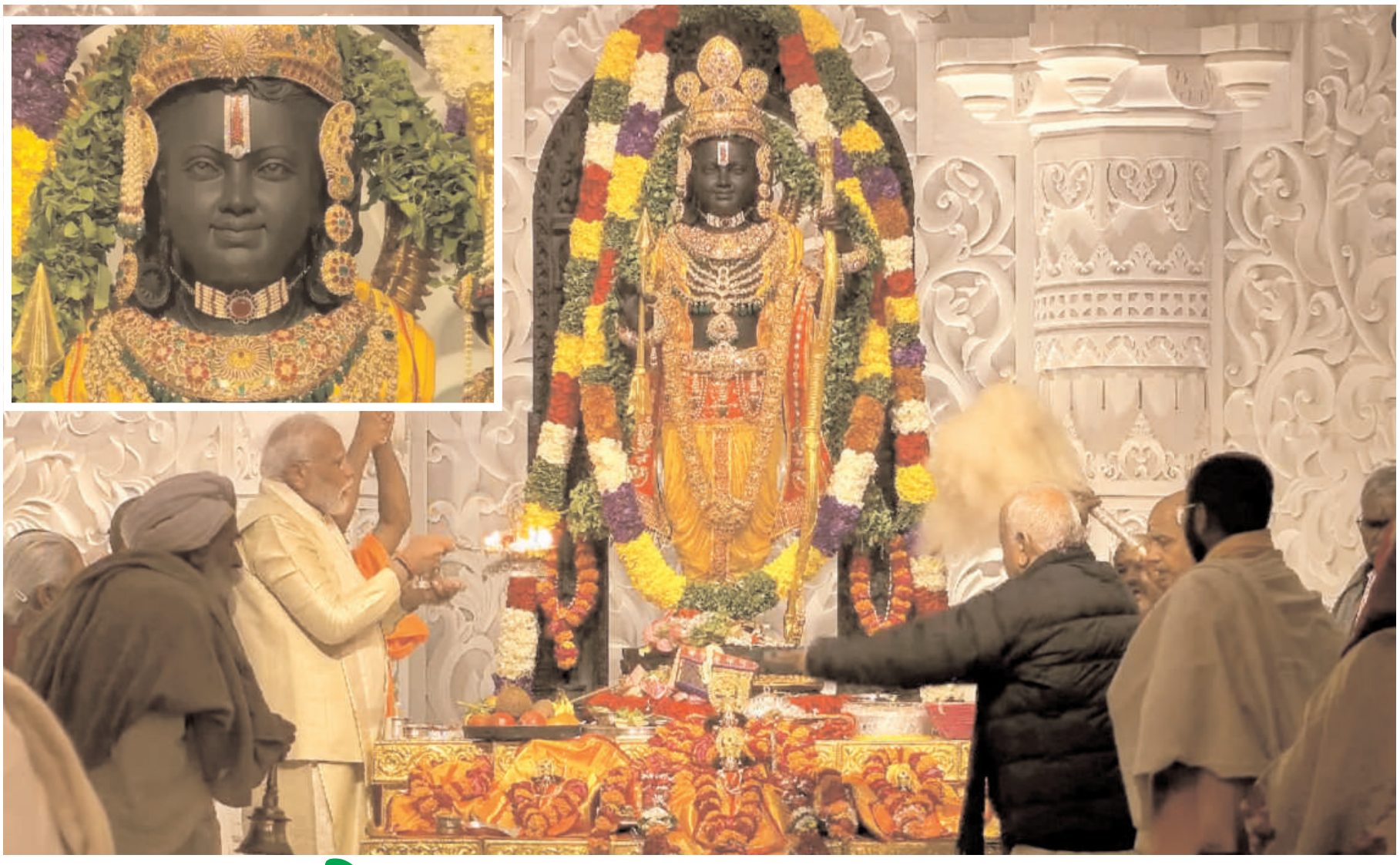

हमारे राम आ गए..

अयोध्या में सोमवार को श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा कर दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य यजमान बने। दोपहर 12 बजे हल्की पीली धोती-कुर्ता पहने मंदिर आए। हाथ में थाल थी, जिसमें श्रीराम के लिए चांदी का छत्र था।

12.05 बजे गर्भगृह में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा शुरू हुई, जो करीब घंटेभर चला। इसमें प्रधानमंत्री शामिल रहे। उन्होंने भगवान की आरती कर चंवर डुलाया, फिर राम के चरणों में कमल रखकर परिक्रमा की और साष्टांग प्रणाम किया।

इससे पहले मोदी ने मुख्य पुजारी सत्येन्द्र दास से कलावा बंधवाया और उनके पैर छुए। संतों ने उन्हें उपहार स्वरूप सोने की अंगूठी भी भेंट की। प्राण प्रतिष्ठा के बाद मोदी मंदिर परिसर में मौजूद लोगों के सामने 11 दिन का व्रत तोड़ा। उसके बाद उन्होंने करीब 35 मिनट का भाषण दिया। इस दौरान 114 बार नाम का राम लिया।

मोदी के भाषण की अहम बातें 6 पॉइंट्स में-

1. रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर

मोदी बोले- रामलला अब टेंट में नहीं, दिव्य मंदिर में रहेंगे। राम मंदिर के निर्माण के बाद से देशवासियों में नया उत्साह पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों की धरोहर मिली है, श्रीराम का मंदिर मिला है। 22 जनवरी, 2024 का ये सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है। ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं, बल्कि ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। लोग इसे हजारों साल याद करेंगे।

2. देश के माहौल पर

PM ने कहा- आज गांव-गांव में एक साथ कीर्तन, संकीर्तन हो रहे हैं। आज शाम घर-घर राम ज्योति प्रज्वलित करने की तैयारी है। क्रूने कहा- अपने 11 दिन के व्रत-अनुष्ठान के दौरान मैंने उन स्थानों का चरणस्पर्श करने का प्रयास किया, जहां प्रभु राम के चरण पड़े थे। मेरा सौभाग्य है कि इसी पुनीत पवित्र भाव के साथ मुझे सागर से सरयू तक की यात्रा का अवसर मिला।

3. सुप्रीम फैसले पर

PM ने कहा- मैं प्रभु राम से क्षमा याचना करता हूं। हमारे त्याग, तपस्या, पूजा में कोई तो कमी रह गई होगी कि इतने साल मंदिर निर्माण का काम नहीं हो पाया। आज ये कमी पूरी हुई। भारत के संविधान की पहली प्रति में राम विराजमान हैं। दशकों तक प्रभु राम के अस्तित्व पर कानूनी लड़ाई चली। मैं न्यायपालिका का शुक्रगुजार हूं कि उसने लाज रख ली।

4. भगवान राम को लेकर हुए विवाद पर

प्रधानमंत्री ने कहा- कई राष्ट्र अपने ही इतिहास में उलझ जाते हैं। जब भी उन्होंने इतिहास की गांठें सुलझाने का प्रयास किया मुश्किल परिस्थितियां बन गईं। हमने जिस गांठ को भावुकता और समझदारी के साथ खोला है, वो बताता है कि भविष्य बहुत सुंदर होने जा रहा है। कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। राम मंदिर किसी आग को नहीं, ऊर्जा को जन्म दे रहा है।

राम आग नहीं, ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, राम समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं। राम वर्तमान नहीं, अनंत काल हैं। ये मंदिर महज देव मंदिर नहीं, भारत की दृष्टि-दर्शन का मंदिर है। राम भारत का विचार-विधान है। राम भारत का चिंतन, चेतना, प्रवाह, प्रभाव, नेति, निरंतरता है। राम विश्व हैं, विश्वात्मा हैं। इसलिए जब राम की स्थापना होती है तो उसका प्रभाव हजारों वर्षों के लिए होता है।

5. कारसेवकों और संतों पर

प्रधानमंत्री ने कहा- ऋषियों ने कहा है कि जिसमें रम जाएं, उसी में राम है। हर युग में लोगों ने राम को जिया है। हर युग में लोगों ने अपने-अपने शब्दों, अपनी-अपनी तरह राम को व्यक्त किया है। ये राम रस निरंतर बहता रहता है। आज के इस ऐतिहासिक समय में देश उन व्यक्तित्वों को भी याद कर रहा है, जिनकी वजह से शुभ दिन देख रहे हैं। हम कारसेवकों, संत-महात्माओं के ऋणी हैं।

6. देश के विजन पर

प्रधानमंत्री ने कहा- युवाशक्ति चांद पर तिरंगा फहरा रही है तो 15 लाख किमी दूर अंतरिक्ष में यान पहुंचा रही है। आने वाला समय अब सफलता का है। आने वाला समय सिद्धि का है। ये राम मंदिर भारत के उत्कर्ष-उदय का साक्षी बनेगा। मंदिर सिखाता है कि लक्ष्य प्रमाणित हो तो उसे हासिल किया जा सकता है। शताब्दियों की प्रतीक्षा के बाद हम यहां पहुंचे हैं। अब हम रुकेंगे नहीं।

संपादकीय

राम विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा से पहले और उसके बाद भी प्रधानमंत्री ने संकल्प दोहराया कि वे राम के आदर्शों पर चलते हुए सुशासन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चय ही यह संकल्प उम्मीदें जगाता है।

अयोध्या में राम विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा सौहार्द और उल्लासपूर्ण वातावरण में हो गई। इसके साथ ही लंबे समय से चला आ रहा विवाद भी समाप्त हो गया। राम भारतीय आस्था के प्रतीक हैं। पौराणिक प्रमाणों के अनुसार उनका जन्मस्थान उसी जगह को माना जाता है, जहां अभी भव्य मंदिर बना है। इसी जगह को लेकर करीब पांच सौ वर्षों से विवाद था।

अयोध्या में सद्भाव की प्रतिष्ठा, जन्मस्थान पर विराजमान हुए प्रभु श्रीराम

संपादक-
गोपाल गावंडे

भाजपा की प्रमुख प्रतिज्ञाओं में से एक यह भी थी कि वह राम मंदिर का निर्माण राम के मूल जन्म स्थान पर ही कराएगी। इस तरह भाजपा की प्रतिज्ञा भी पूरी हो गई। विवाद इस बात को लेकर था कि राम मंदिर को ध्वस्त कर आक्रांता शासकों ने वहां मस्जिद खड़ी कर दी थी। उस जगह पर मालिकाना हक पाने के लिए संत समाज संघर्ष कर रहा था।

अंग्रेजी हुकूमत ने इसका निपटारा दोनों समुदायों के लिए अलग-अलग पूजा करने की इजाजत देकर किया था। मगर संत समाज उससे संतुष्ट नहीं था। आजादी के बाद उस जगह को प्राप्त करने के लिए देश के विभिन्न न्यायालयों का दरवाजा खटखटाया गया। कई मौकों पर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार ने भी मामले को सुलझाने का प्रयास किया, मगर कोई व्यावहारिक हल नहीं निकल सका। फिर इसके लिए भाजपा ने देशव्यापी आंदोलन चलाया और कारसेवकों के दल ने विवादित ढांचे को ध्वस्त कर दिया था। तब अनवरत सुनवाइयों, गवाहियों के बाद आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया कि विवादित जगह मूल रूप से राम जन्मस्थान है और उस पर संत समाज का हक है। इस मंदिर को बनने में इसलिए इतना वक्त लग गया कि संवैधानिक सिद्धांतों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किसी एक आस्था के पक्ष में एकतरफा फैसला करना किसी भी सरकार के लिए मुश्किल जान पड़ता था। हालांकि उसमें राजनीतिक नजरिया भी शामिल था। जबकि आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय ने तर्क दिया कि राम जन्मभूमि भारतीय आस्था से जुड़ा मामला है, इसलिए विवादित जगह पर उसे स्वामित्व दिया जाना चाहिए। दूसरे पक्ष के लिए अलग से जगह प्रदान की जानी और उस पर उनकी इच्छा के अनुरूप पूजा स्थल का निर्माण कराया जाना चाहिए। वह फैसला दोनों पक्षों ने मंजूर किया।

अगर इस मामले को राजनीतिक रंग न दिया गया होता, तो शायद यह इतना लंबा न खिंचता। जब राममंदिर आंदोलन शुरू हुआ तो अल्पसंख्यक समुदाय के भीतर तरह-तरह से भय भरने और उसे उकसाने का भी प्रयास किया जाता रहा। मगर अच्छी बात है कि सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने और उसके बाद राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने के बाद किसी तरह की कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। किसी प्रकार का उन्माद का वातावरण नहीं बना।

राम विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा से पहले और उसके बाद भी प्रधानमंत्री ने संकल्प दोहराया कि वे राम के आदर्शों पर चलते हुए सुशासन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चय ही यह संकल्प उम्मीदें जगाता है। भारत जैसे धर्मबहुल और विविध संस्कृतियों वाले देश में सुशासन की नीव सद्भावना पर ही टिकती है। जिस तरह मंदिर निर्माण और उसमें प्राण प्रतिष्ठा तक सौहार्द और सद्भाव का वातावरण दिखाई दिया, वह इस नींव की मजबूती का भरोसा पैदा करता है। राम तो पुरुषोत्तम हैं, समदर्शी और सद्भावना के प्रतीक हैं। इसीलिए रामराज किसी भी शासन की आत्यंतिक कसौटी है। लोक आस्था से जुड़े राम का मंदिर लोक को समर्पित कर भाजपा और उसकी सरकारों ने अपना संकल्प पूरा कर दिया है, अब उसके सामने सद्भाव और सुशासन का वातावरण बनाने के संकल्प पर खरा उतरने की परीक्षा है।

राजनीति

CM हिमंता ने Rahul Gandhi के खिलाफ स्न्ठ्ठक्र दर्ज करने के दिए निर्देश, बोले- नक्सलाइट टैक्टिस नहीं चलेगी

मंगलवार को राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान गुवाहाटी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच फिर झड़प हो गई. अब इस मामले में असम के सीएम ने डीजीपी को कांग्रेस नेता के खिलाफ केस दर्ज करने का निर्देश दिया है.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इन दिनों असम के गुवाहाटी में है. मंगलवार को गुवाहाटी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच फिर झड़प हो गई. बताया जा रहा है कि राहुल गांधी शहर में यात्रा की इजाजत मांग रहे थे, लेकिन इजाजत न मिलने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस में जबरदस्त झड़प हो गई.

परमिशन के बिना शहर में आ रही थी यात्रा- पुलिस

पुलिस प्रशासन का कहना है कि शहर में यात्रा की इजाजत नहीं है, जबकि राहुल गांधी की यात्रा शहर? के अंदर की तरफ बढ़ रही थी. इसी वजह से रोड पर बाद में पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए थे और इसी दौरान कांग्रेस नेता की बस के साथ चल रहे लोगों की पुलिस कर्मियों से झड़प हो गई. कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेड तोड़ने की कोशिश कर रहे थे, जबकि राहुल गांधी दूर से देख रहे थे.

हम नहीं तोड़ेंगे कानून-राहुल गांधी

पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की घटना पर बोलते हुए कहा कि बजरंग दल और जेपी नड्डा जी की रैलियां इस मार्ग से हुई थीं, लेकिन वे हमें रोक रहे हैं. हम कांग्रेस कार्यकर्ता मजबूत हैं, हमने बैरिकेड तोड़ दिए हैं, लेकिन हम कानून नहीं तोड़ेंगे.

सीएम ने दिए केस दर्ज करने के निर्देश

वहीं, अब इस मामले में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने ष्ठत्नक्क से बात कर राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज करने का निर्देश दिया है. उन्होंने कहा कि ये असमिया संस्कृति का हिस्सा नहीं हैं. हम एक शांतिपूर्ण राज्य हैं. ऐसी नक्सली रणनीति हमारी संस्कृति से पूरी तरह अलग हैं.

उन्होंने आगे कहा कि मैंने डीजीपी असम पुलिस को भीड़ को उकसाने के लिए आपके नेता राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज करने और आपके द्वारा अपने हैंडल पर पोस्ट किए गए फुटेज को सबूत के रूप में उपयोग करने का निर्देश दिया है. आपके अनियंत्रित व्यवहार और सहमत दिशानिर्देशों के उल्लंघन के परिणामस्वरूप अब गुवाहाटी में बड़े पैमाने पर ट्रैफिक जाम हो गया है.

कानून के मुताबिक हो रही है कार्रवाई-डीजीपी

राहुल गांधी पर केस दर्ज करने के निर्देशों पर ष्ठत्नक्क ने सीएम को जवाब देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा, सर कानून के मुताबिक कार्रवाई की जा रही है. बलपूर्वक यात्रा का रूट बदलने, हिंसा करने और ्रस्रु के निर्णय का उल्लंघन करने के मामले को भी एजेंसियों के सामने उठाया है

जली महिला की मौत

इन्दौर ।कमलाबाई पति मदन लाल वर्मा 50 साल निवासी मालवीय नगर की उपचार के दौरान बड़े अस्पताल में मौत हो गई। कमलाबाई 2 दिन पहले घर में जल गई थी। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

पर्स चुराते पकड़ा

इन्दौर । राजेंद्र पिता राम प्रसाद निवासी नेहरू नगर ने पुलिस को बताया कि वह पाटनीपुरा चौराहा स्थित किराना दुकान पर सामान खरीद रहा था तभी पर्स चुराते हुए कैलाश पिता अनिल कौशल को रंगे हाथों पकड़ा और पुलिस के हवाले किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

दो नाबालिक लापता

कमला नेहरू कॉलोनी में रहने वाली किशोरी परिजन को कम पर जाने का बोलकर निकली थी जो लापता हो गई। इसी प्रकार सुदामा नगर में रहने वाली किशोरी परिजन को रिश्तेदार के यहां जाने का बोलकर निकली थी जो लापता हो गई। दोनों मामलों में पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया।

रंजीत में मारा चाकू

इन्दौर । अजय पिता नंदकिशोर पांचाल निवासी विश्वकर्मा नगर को रानी रंजिश के चलते गोपाल पिता अर्जुन चौहान ने चाकू मार दिया और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

हंगामा करते पांच धराएं गए

इन्दौर ।हीरानगर पुलिस ने न्यू गोरी नगर में हंगामा करते हुए महेश पित पन्नालाल सुरेश पिता बद्रीलाल गोवर्धन पिता उमाशंकर और दो अन्य को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी आपस में झगड़ा कर शांति भंग कर रहे थे। इनके खिलाफ धारा 160 के तहत केस दर्ज किया है।

टक्कर से दो जख्मी

राज मोहल्ला चौराहे पर एक्टिवा सवार राहुल पिता अनिल जैन निवासी एरोड्रम और जितेंद्र भंडारी को कार ने टक्कर मार दी जिसमें दोनों घायल हो गए। पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज किया।

हथियार सहित चार बंदी

इन्दौर ।सेंट्रल कोतवाली पुलिस ने शुभम पिता बाबूलाल वर्मा से तलवार और प्रकाश पिता मुन्नालाल साहू से गुप्ती बरामद की इसी प्रकार पुलिस राजेंद्र नगर में दिनेश पिता रामचंद्र सोलंकी से चाकू और कमलेश पिता सुनील प्रजापत से तलवार बरामद की है। सभी के खिलाफ धारा 25 आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया।

बहु को धमकाया

इन्दौर । सुनीता पाल 30 साल निवासी अहिर खेड़ी ने पुलिस को बताया कि मायके से दहेज नहीं लाने पर पति दिलीप पाल सास निर्मला पाल और ससुर रमेश पाल ने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने सभी के खिलाफ केस दर्ज किया।

एक्टिवा चुराते पकड़ा

इन्दौर ।अमितेश कॉलोनी में रहने वाले श्याम पिता हरीश शर्मा की अन्नपूर्णा से एक्टिव चुरा कर ले जाते हुए राजू पिता रामस्वरूप कोहली को रंगे हाथों पकड़ा और पुलिस के हवाले किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

बाइक में की तोड़फोड़

इन्दौर ।फरियादी अरविंद पिता राम गोपाल सोमानी निवासी गुमास्ता नगर की घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल में देर रात अज्ञात बदमाशों ने तोड़फोड़ की। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

गांजा सहित बंदी

इन्दौर ।अन्नपूर्णा पुलिस न चेकिंग अभियान के दौरान एक्टिवा सवार सुधीर पिता जगदीश सिसोदिया निवासी द्वारकापुरी को पकड़ा तलाशी लेने पर 730 ग्राम गांजा बरामद किया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया।

किशोरी से की छेड़छाड़

इन्दौर ।वैभव नगर में रहने वाली किशोरी ने पुलिस को बताया कि वह किराने का सामान लेने जा रही थी तभी रास्ते में योगेश पिता चंद्रकांत तिवारी ने रोका और छेड़छाड़ की शोर मचाने पर धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

बस के कांच फोड़े

इन्दौर ।फरियादी लक्ष्मण पिता विजय शंकर प्रजापत ने पुलिस को बताया कि देवास नाके पर खड़ी बस में अज्ञात बदमाशों ने कांच फोड़ दिए। पुलिस में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र को लेकर अंतिम बहस 4 सप्ताह बाद

इंदौर । जनवरी सरकार पहले ही कह चुकी है कि शासकीय अस्पतालों में दवाइयां निशुल्क उपलब्ध है इसलिए वहां औषधि केदो की आवश्यकता नहीं है।

इंदौर हाई कोर्ट में चल रही इस जनहित याचिका में कहा है कि प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र एक अच्छी योजना है। इसके माध्यम से आमजनों को सस्ती दवाइयां उपलब्ध हो रही है। सरकार ने जगह-जगह यह जन औषधि केंद्र तो खोले गए हैं। लेकिन सरकारी और निजी अस्पतालों में इन केदो को नहीं खोला गया है जबकि उनकी आवश्यकता इन जगहों पर ज्यादा होती है।

कोर्ट ने याचिका की प्रारंभिक सुनवाई के बाद शासन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। शासन अपने जवाब में सरकारी अस्पतालों में तीन केदो की आवश्यकता से ही इनकार कर चुकी है। इसके बाद कोर्ट ने याचिका को अंतिम बहस के लिए नियत कर दिया है। सोमवार को अंतिम वर्ष होना थी बहस होना थी लेकिन याचिकाकता ने इसके लिए समय ले लिया अब चार सप्ताह बाद सुनवाई होगी।

दिनदहाड़े महिला से पर्स छीन लिया

इंदौर । चंदननगर थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाश होने दिनदहाड़े महिला से पर्स छीन लिया और फरार हो गए। पर्स में मोबाइल फोन और नगदी रुपए रखे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी सविता पति राकेश माहेश्वरी 40 साल निवासी द्वारका पुरी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताएं कि वह सोमवार दोपहर 2 बजे श्रीजी वाटिका गार्डन से पैदल-पैदल गुमास्ता नगर में रहने वाली बहन सरिता से मिलने जा रही थी तभी गुमास्ता नगर स्थित बीएसएनल ऑफिस के पास पीछे से बाइक पर दो बदमाश आए और उसके हाथ से पर्स छीन कर भाग गया। पर्स में मोबाइल फोन 2000 नगदी और एटीएम तथा क्रेडिट कार्ड रखा हुआ था। चंदन नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट का केस दर्ज किया है। इसी प्रकार फरियादी ताहिरा पति शरीफ अंसारी 62 साल निवासी नई बगड़ रानीपुर की रिपोर्ट पर मुंह बोला भाई पिता जगन्नाथ 30 साल निवासी प्रिंस पैलेस कॉलोनी के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया है। जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक कैलाश चंद्र के मुताबिक आरोपी प्रहलाद घर में रखे पांच लाख से अधिक की जेवर और नगदी चुराकर भाग गया जिसकी तलाश की जा रही है।

भंडारे में दंपति पर डंडे से किया हमला, प्रकरण दर्ज

इंदौर 23 जनवरी गांधीनगर थाना क्षेत्र में भंडारे में दंपति पर दो लोगों ने डंडे से हमला कर दिया और धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी गजेंद्र पिता भगवान दास निवासी झालरिया ने बताया कि कॉलोनी में भंडारा चल रहा था तभी रात्रि 9:40 बजे राजेश भारती और गिरजा शंकर आए और भंडारे में बैठने लगे तो मैंने कहा थोड़ी देर बाद बैठ जाना इस पर दोनों ने गालियां देना शुरू कर दी। गाली देने से मना किया तो दोनों ने वहां रखे डंडे से उसे पर हमला कर दिया बचाने पत्नी शशि आए तो उसे पर भी डंडे से प्रहार किया और धमकी देकर भाग गए। घटना से वहां कुछ देर के लिए भगदड़ मच गई थी। गांधीनगर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इसी प्रकार फरियादी बबलू पिता मेहरबान सिंह राजपूत निवासी ग्राम अरण्य कुंड खोडल ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में स्थित राम मंदिर परिसर में उसके मां-बाप के नाम की शिलालेख लगी थी जिसे सचिन चौहान और मोहन सिंह हटा रहे थे विरोध किया तो दोनों ने हमला किया वहीं दूसरे पक्ष के सचिन पिता मोहन सिंह चौहान ने पुलिस को बताया कि शिलालेख पर फोटो लगाने की बात को लेकर आप ए बबलू पवार सचिन चौहान और सोनू ने हमला कर दिया। खोडल पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सेंट्रल जेल में कैदी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

महू में पत्नी का गला काटकर पहुंचा था जेल

इंदौर । इंदौर की सेंट्रल जेल में एक कैदी ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। जेल प्रहरी उसे संदिग्ध हालत में बड़े अस्पताल लेकर पहुंचा जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित किया। कैदी का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। एमजी रोड पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैदी का नाम अनिल पिता राजू 35 साल है। अनिल सेंट्रल जेल में सजा काट रहा था। सोमवार शाम से प्रहरी महेंद्र कुमार गोयल बड़े अस्पताल लेकर पहुंचा था जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित किया।

जेल प्रशासन के मुताबिक अनिल ने दो नंबर बैरक में बनी बाथरूम में पीछे चादर से फांसी लगा ली। ओम मूल रूप से महू का रहने वाला था। 5 महीने पहले उसने पत्नी का गला काट दिया था इसके बाद उसे पुलिस ने पकड़ा और जेल भेज दिया। वह विचारदिन कैदी था।

राम जन्मभूमि के प्रोग्राम में व्यस्त था जेल प्रशासन

सूत्रों के मुताबिक जिस वक्त घटना हुई तब कैदी अपनी अपनी बैरक में थे। वही अधिकारी पांच नंबर के बैरक के यहां राम जन्मभूमि के प्रोग्राम में लगे थे। शाम को अन् कैदियों ने उसे फंदे पर लटके देखा इसके बाद जेल प्रशासन को सूचना लगी। जेल प्रशासन के मुताबिक को तनाव में था इसी के चलते उसने यहां कदम उठाया है।

चलती बाइक पर अटैक आने से बुजुर्ग की मौत

इंदौर । जनवरी राजकुमार ब्रिज पर बाइक सवार बुजुर्ग को अटैक आ गया जिसमें वह सड़क पर गिर गए उन्हें बड़े अस्पताल भेजा गया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित किया। वह जिला कोर्ट में नोटरी का काम करते थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना सोमवार शाम की है। रमेश पिता हीरालाल उपाध्याय 68 साल निवासी पीर गली अपनी मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे। राजकुमार ब्रिज पर अचानक उन्हें हार्ट अटैक आ गया जिसमें गाड़ी रोकने के दौरान और सड़क पर गिर गए। उन्हें आसपास के लोगों ने एंबुलेंस से बड़े अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि रमेश जिला कोर्ट में नोटरी और टाइपिंग का काम करते थे। उनके परिवार में एक बेटी और दो बेटे हैं। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

मोबाइल लूटने और वाहन चुराने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

इंदौर । जनवरी लसूडिया पुलिस ने राहगीरों से मोबाइल लूटने और वाहन चुराने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी निशान देही पर चार वाहन और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी ईश्वर सिंह जादौन, आसाराम यादव, राजेश नगर और दीपक सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी मोटरसाइकिल अज्ञात व्यक्ति चुरा कर ले गया। लसूडिया पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

राम नाम कितना मूल्यवान है, क्या आप जानते हैं ?

राम के महत्व को जानने वाले का जीवन तर जाता है। राम का नाम लेने से आपके जीवन का हर कष्ट दूर हो जाता है। आज अयोध्या में राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम है। आज से प्रभु राम अपने मंदिर में विराजमान हो जाएंगे। देखें राम नाम का अर्थ।

एक बार एक दु:खी व्यक्ति ने एक सिद्ध महात्मा से दिव्य उपाय अथवा मंत्र बताने का अनुरोध किया जिससे उसके सारे कष्ट दूर हो जाएं और मनोवांछित फल प्राप्त हो। जब महात्मा जी की सेवा करते-करते बहुत दिन बीत गए तब महात्माजी ने उससे कहा कि, 'मैं तुम्हें एक ऐसा गोपनीय मंत्र देता हूं जिसका पता बहुत कम लोगों को है, यह मंत्र परम गुप्त और अमूल्य है, अत: किसी से कहना नहीं।' इतना कहकर महात्माजी उसके कान में धीरे से कह दिया 'राम'। वह व्यक्ति राम नाम जपते हुए एक दिन गंगा नहाकर लौट रहा था तो उसने देखा कि हजारों की संख्या में गंगा नहाकर जोर-जोर से 'राम-राम' पुकारते चले आ रहे थे।

उसके मन में विचार आया कि महात्मा तो राम मंत्र को बड़ा गुप्त बतलाते थे, मुझसे कह भी दिया था कि किसी से कहना नहीं, परन्तु इसको तो सभी जानते हैं, हजारों मनुष्य 'राम-राम' पुकारते हुए चल रहे हैं। उस व्यक्ति के मन में संशय उत्पन्न हुआ। वह महात्माजी के पास गया और पूछा, राम नाम तो सब जानते हैं, इस नाम में विशेष और अनोखी और चमत्कारिक बात क्या है'। महात्मा जी ने सुनकर कहा कि 'तुम्हारा उत्तर बाद में दूंगा, पहले तुम मेरा एक कार्य करो'। महात्मा जी ने झोली में से एक चमकती हुई कांच की-सी गोली निकाली और उस व्यक्ति के हाथ में देकर कहा कि, 'बाजार में जाकर इसका मूल्यांकन कराकर लाओ, लेकिन इसे बेचना नहीं है, सिर्फ कीमत जाननी है।'

वह व्यक्ति महात्मा जी के आदेश पर उस कांच की गोली लेकर एक सब्जी बेचने वाले के पास गया और उसे दिखाकर कहा कि 'इसकी क्या कीमत दोगे भाई?' सब्जी बेचने वाले ने पत्थर की चमक और सुन्दरता देखकर सोचा कि बच्चों के खेलने के लिए कांच की बड़ी सुन्दर गोली है। बाजार में कहीं ऐसी नहीं मिलती। उसने कहा, 'सेर-दो-सेर आलू और बैंगन ले लो।' वह आगे बढ़ा और पहुंच गया एक महाजन की दुकान पर, महाजन ने पत्थर की चमक देखकर सोचा कि अच्छा पत्थर है, बाट के रूप में प्रयोग कर लूंगा। अत: उसने उसकी कीमत सौ रुपए लगाई, लेकिन गुरु की आज्ञा थी कि बेचना नहीं, सिर्फ दाम लगवाकर आना, इसलिए वह और आगे बढ़ चला। रास्ते में एक सुनार की दुकान पड़ी, सुनार को वह टुकड़ा दिखाकर पूछा, 'इसकी क्या कीमत दोगे?' सुनार ने हाथ में लेकर देखा और उसे अच्छा रत्न जानकर एक हजार रुपए देने को कहा। वह व्यक्ति हैरान हो गया कि साधारण से कांच के टुकड़े का एक हजार रुपए!

उसकी दिलचस्पी भी बढ़ी, वह और आगे बढ़ा, एक जौहरी के यहाँ गया। जौहरी ने उस चमकने वाले पत्थर को देखकर मन में विचार किया कि इतना बड़ा और ऐसा अच्छा हीरा तो जगत में कहां होगा? जब वह व्यक्ति उसे बेचने को तैयार नहीं हुआ तो जौहरी ने उससे एक लाख रुपए में बेचने पर जोर दिया। उस व्यक्ति ने सोचा कि हो न हो, है तो कोई बड़ी मूल्यवान वस्तु, वह और आगे बढ़ा और एक दूसेर बड़े जौहरी की दुकान पर गया। वह व्यक्ति पूर्व में उस चमकदार पत्थर को मामूली काँच समझता था, परन्तु ज्यों-ज्यों कीमत बढ़ती गयी, त्यों-त्यों उसका उत्साह बढ़ता गया। बड़े जौहरी ने हीरा देखकर कहा कि 'यह तो अमूल्य एवं दुर्लभ हीरा है। इस देश के सारे जवाहरात इसके मूल्य में दे दिए जाएं तब भी इसका मूल्य पूरा नहीं होता। इसे बेचना नहीं।' यह सुनकर वह व्यक्ति वापस महात्मा जी के पास गया और बोला कि 'महाराज! इसकी कीमत कोई कर ही नहीं सकता, यह तो अमूल्य वस्तु है, गुरु ने पूछा कि 'तुमको यह किसने बताया?' उस व्यक्ति ने कहा कि, ''प्रभो! मैनें यहाँ से बाजार में जाकर पहले सब्जीवाले से पूछा तो सेर-दो-सेर शाक देना स्वीकार किया, महाजन ने सौ रुपए कहे, सुनार ने हजार, जौहरी ने लाख और अन्त में सबसे बड़े जौहरी ने इसे अमूल्य बताते हुए यह कहा कि, 'इस पत्थर को कभी बेचना नहीं क्योंकि यह इतना नायाब पत्थर है कि इसे दुनिया के कई जौहरी अपनी घर-सम्पत्ति बेचकर भी नहीं खरीद सकते।'

महात्मा जी ने उससे रत्न लेकर अपनी झोली में रख लिया। उस जिज्ञासु व्यक्ति ने कहा कि 'महाराज! अब मेरी शंका का निवारण कीजिए।' महात्मा जी ने कहा, 'मैं तो तुझे शंका-निवारण के लिए दृष्टान्त सहित उपदेश दे चुका। तुमने अभी भी नहीं समझा, इसलिए फिर समझाता हूँ। इस रत्न की कीमत कराने में ही तुम्हारी शंका दूर हो जानी चाहिए थी। रत्न अमूल्य था, परन्तु उसकी असली पहचान केवल सबसे बड़े जौहरी को ही हुई, दूसरे नहीं पहचान सके। यदि मैंने तुझे

बेचने के लिए आज्ञा दे दी होती तो तुम सेर-दो-सेर शाक-सब्जी के मूल्य पर इसे बेच ही देते, आगे बढ़ते ही नहीं। अमूल्य वस्तु कौड़ी के मूल्य चली जाती। कितना बड़ा नुकसान होता? इसी प्रकार श्रीराम-नाम भी गुप्त और अमूल्य पदार्थ है, इसकी पहचान सबको नहीं है और न इसका मूल्य ही सब कोई जानते हैं। चीज हाथ में होने पर भी जब तक उसकी पहचान नहीं होती, तब तक उसका असलीपन गुप्त ही रहता है। इसी तरह राम-नाम के असली महत्व को भी बहुत कम लोग जानते हैं।

किन लोगों के लिए सर्दी में ज़हर हैं पानी में नींबू और शहद का सेवन, अगर रोज़ाना इस ड्रिंक का करें सेवन तो बॉडी पर कैसा दिखेगा असर

अमृता अस्पताल, कोच्चि में डायटीशियन,क्लीनिकल न्यूट्रीशियन अनस्वरा लशमी पीएस ने बताया कि शहद और नींबू का सेवन करने से कुछ लोगों को फायदा तो कुछ को नुकसान पहुंच सकता है।

सर्दी कड़ाके की पड़ रही है। इस मौसम में इम्युनिटी कमजोर होने लगती है और बॉडी के बीमार होने के चांस ज्यादा रहते हैं। सर्दी में इम्युनिटी को स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए अक्सर लोग पानी में शहद और नींबू मिलाकर उसका सेवन करते हैं। गर्म पानी में शहद और नींबू का सेवन करने से बॉडी को गर्मी मिलती है और इम्युनिटी भी स्ट्रॉन्ग होती है। मुंबई में क्लीनिकल डायटीशियन और डायबिटीज एक्सपर्ट पूजा शाह भावे ने बताया कि इस ड्रिंक को आमतौर पर सेहत के लिए हेल्दी माना जाता है लेकिन ये आपकी सेहत पर कोई खास प्रभाव नहीं डालता। एक्सपर्ट ने बताया कि पानी में ताजा निचोड़ा हुआ नींबू तुरंत पीने से विटामिन सी मिलता है, लेकिन अगर आप नींबू और शहद को गर्म पानी में पीते हैं तो उसमें मौजूद विटामिन सी लगभग तुरंत खत्म हो जाता है।

अमृता अस्पताल, कोच्चि में डायटीशियन,क्लीनिकल न्यूट्रीशियन अनस्वरा लशमी पीएस ने इस ड्रिंक के फायदे और नुकसान दोनों के बारे में बताया है। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि अगर इस ड्रिंक का सेवन रोज़ाना किया जाए तो सेहत पर कैसा असर दिखता है। एक्सपर्ट से जानते हैं कि किन लोगों के लिए ये ड्रिंक ज़हर साबित होता है।

इम्युनिटी होती है स्ट्रॉन्ग

पानी में नींबू और शहद का सेवन करने से विटामिन सी की कमी पूरी होती है और इम्युनिटी स्ट्रॉन्ग होती है। सर्दी में विटामिन सी का सेवन मौसमी बीमारियों से बचाता है।

गले को मिलता है आराम

शहद के जीवाणुरोधी गुण सर्दियों में होने वाली आम बीमारी गले की खराश से राहत दिलाते हैं।

बॉडी रहती है हाइड्रेट

सर्दी में बॉडी को हाइड्रेट रखने के लिए पानी में नींबू और शहद का सेवन असरदार होता है।

पोषक तत्वों का ख़ज़ाना है

नींबू एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है जबकि शहद जीवाणुरोधी और सूजन-रोधी गुणों से भरपूर होता है।

पाचन रहता है दुरुस्त

नींबू की अम्लता पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करती है जबकि शहद प्रीबायोटिक के रूप में काम करता है जो आंतों की सेहत को दुरुस्त करता है।

मेटाबॉलिज्म होता है बूस्ट

कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि नींबू और शहद मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते है और फैट को टूटने में सहायता कर सकते हैं। नींबू में पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो लिपिड मेटाबॉलिज्म पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं, जबकि शहद ग्लूकोज के क्रमिक रिलीज में योगदान कर सकता है, जो ऊर्जा के मेटाबॉलिज्म का समर्थन करता है।

भूख रहती है कंट्रोल

नींबू और शहद का मिश्रण भूख को कंट्रोल करता है। इसका सेवन करने से लम्बे समय तक भूख नहीं लगती और वजन कंट्रोल रहता है।

किन लोगों को नहीं करना चाहिए पानी में शहद और नींबू का सेवन

नींबू का अधिक सेवन दांतों के इनेमल को प्रभावित कर सकता है। जिन लोगों को खट्टे फल या शहद से एलर्जी है उन्हें इस मिश्रण का सेवन करने से बचना चाहिए। नींबू की अम्लता कुछ व्यक्तियों में एसिड रिफ्लक्स के लक्षणों को बढ़ा सकती है। शहद की चीनी और नींबू की अम्लता का मिश्रण ओरल हेल्थ को बिगाड़ सकता है। इसका सेवन करने से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं बढ़ सकती हैं। जिन लोगों को सूजन या दस्त रहता है वो इसका सेवन नहीं करें।

किन लोगों के लिए ज़हर है ये पानी

डायबिटीज मरीजों को इस पानी का सेवन करने से परहेज करना चाहिए। इसका सेवन करने से ब्लड में शुगर का स्तर हाई होने का खतरा हो सकता है। इसके अलावा दिल के मरीजों, मोटे व्यक्तियों, हाई ट्राइग्लिसराइड्स वाले व्यक्तियों, फिटनेस फ्रीक लोग जो मोटापा कंट्रोल करना चाहते हैं उन्हें इसका सेवन करने से बचना चाहिए। ऐसे लोग सादा पानी में नींबू का सेवन कर सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक कैंसर के मरीजों को चीनी या चीनी से बने फूड्स का सेवन नहीं करने की सलाह दी जाती है। क्योंकि ट्यूमर चीनी पर फ़ीड करता है और तेजी से बढ़ता है, इसलिए कैंसर के मरीजों को शहद से परहेज करना चाहिए। कुछ लोगों को खट्टे फलों से एलर्जी होती है क्योंकि उन्हें खांसी और सर्दी हो जाती है उन्हें नींबू और शहद के पानी से परहेज करना चाहिए।

शेरनी बन कर खुद पर अंतिम वार करेंगी सुष्मिता सेन,आर्या 3 का धमाकेदार ट्रेलर हुआ रिलीज

हाल ही में निर्माताओं ने आर्या 3: अंतिम वार का ऐलान किया था, जिसके बाद अब इसका ट्रेलर भी सामने आ गया है. ट्रेलर में सुष्मिता सेन जबरदस्त एक्शन करती हुई दिखाई दे रही हैं.नई दिल्ली - सुष्मिता सेन की वेब सीरीज आर्या को फैन्स ने खूब पसंद किया था. सुष्मिता सेन का ओटीटी डेब्यू सफल रहा. इसी के साथ सुष्मिता और आर्या सीरीज के फैन्स के लिए एक और खुशखबरी आई है. जी हां, आर्या 3 के ट्रेलर को रिलीज कर दिया गया है. हाल ही में निर्माताओं ने आर्या 3: अंतिम वार का ऐलान किया था, जिसके बाद अब इसका ट्रेलर भी सामने आ गया है. ट्रेलर में सुष्मिता सेन जबरदस्त एक्शन करती हुई दिखाई दे रही हैं. और क्या कुछ है खास इस ट्रेलर में चलिए आपको बताते हैं.

डिज्नी प्लस हॉटस्टार के पेज पर आर्या 3 के ट्रेलर को शेयर करते हुए लिखा गया है, एक आखिरी बार, शेरनी करेगी एक अंतिम वार. #HotstarSpecials #Aarya Season x - Antim Vaar- 9 फरवरी से स्ट्रीम होगा. जानकारी के लिए बता दें कि आर्या 3 का निर्देशन राम माधवानी ने किया है. इतना ही नहीं, इस सीरीज के राइटर भी वे ही हैं. आर्या में सुष्मिता सेन के अलावा चंद्रचूड़ सिंह, सिकंदर खेर, नमित दास, मनीष चौधरी, सुगंधा गर्ग जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं.

अंतर्राष्ट्रीय एमी नॉमिनेटेड वेब सीरीज आर्या अपने अब तक के सबसे घातक कदम आर्या अंतिम वार के साथ लौट रही है, जो आर्या सरीन के भाग्य का फैसला करेगी. सुष्मिता सेन ने अपने किरदार पर बात करते हुए कहा, यह सब तब शुरू हुआ जब आर्या के परिवार को टुकड़ों में तोड़ दिया गया, जिसके बाद वह बिजनेस की निडर शेरनी बन गई. अब बात खेल से परे न्याय की है. भले ही किस्मत में आर्या सरीन के लिए कुछ भी लिखा हो लेकिन वह उसका सामना डट के बिना किसी डर के साथ करती है. स्क्रीन पर आर्या सरीन के किरदार को निभाकर मुझे उस समय शक्ति मिली जब मैं खुद को संभाल नहीं पाती थी. उसके किरदार से एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को तलाश पाई।

Farm House Wala.com

STARTING PRICE - 351/- SQFT

Picture Perfect
FARMHOUSES
FOR SALE

Platinum
Package

Home Features

- 10*20 swimming pool
- Plantation
- Rcc Boundari
- Landscaping
- Fountain
- 800 sqft 2 bhk

Call To Find Out More
8889066688, 9109639404
www.farmhousewalaa.com

बैजबॉल' कर जाएगा बैकफायर...,

जसप्रीत बुमराह ने दिया इंग्लैंड को ओपन चैलेंज

छ्ठ्ठस्र्द्वड्ड ड्ढह्य श्व्ठ्ठद्दद्यड्डह्वस्र ञ्जद्बद्वह्यह्ल स्ट्टद्धड्डह्य 2024- भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि इंग्लैंड के अति आक्रामक रवैये 'बैजबॉल' से उन्हें फायदा हो सकता है और पांच मैचों की आगामी टेस्ट सीरीज में उन्हें 'ढेरों' विकेट मिल सकते हैं.

भारतीय टीम इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए तैयार है. अंग्रेज टीम सात हफ्ते के भारत दौरे पर है. सीरीज का पहला टेस्ट गुरुवार से हैदराबाद में खेला जाएगा. भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि इंग्लैंड के अति आक्रामक रवैये 'बैजबॉल' से उन्हें फायदा हो सकता है और 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में उन्हें 'ढेरों' विकेट मिल सकते हैं.

इंग्लैंड के खिलाफ 10 टेस्ट मैचों में 41 विकेट लेने वाले बुमराह ने 'द गार्जियन' से कहा, 'मैं बैजबॉल शब्द से जुड़ा हुआ नहीं हूं, लेकिन वे सफल क्रिकेट खेल रहे हैं और आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी का सामना कर रहे हैं. इससे दुनिया को पता चल रहा है कि टेस्ट क्रिकेट खेलने का एक और तरीका है.'

जुलाई 2022 में बुमराह को 'बैजबॉल' की झलक तब मिली, जब उन्होंने रोहित शर्मा के कोविड-19 के कारण बाहर होने के बाद बर्मिंघम में भारत की कप्तानी की. इस मैच में इंग्लैंड ने आक्रामक रवैया अपनाकर 7 विकट से जीत दर्ज की, लेकिन इस मुकाबले को स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ एक ही ओवर में बुमराह के 29 रनों के लिए भी याद किया जाता है.

वे मुझे थकाएंगे नहीं, मुझे ढेर सारे विकेट मिल सकते हैं

बुमराह ने कहा, 'एक गेंदबाज के रूप में मुझे लगता है कि यह मुझे खेल में बनाए रखेगा. अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, इतनी तेजी से खेल रहे हैं तो वे मुझे थकाएंगे नहीं, मुझे ढेर सारे विकेट मिल सकते हैं. मैं हमेशा इस बारे में सोचता हूं मैं कैसे चीजों का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कर सकता हूं.'

भारत की कप्तानी के संदर्भ में इस 36 साल के तेज गेंदबाज ने कहा, 'मैंने एक मैच में ऐसा किया और यह काफी सम्मान की बात थी.' ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी कप्तान के रूप में शानदार प्रदर्शन करने वाले पैट कमिंस से प्रेरणा लेते हुए बुमराह मौका मिलने पर भविष्य में नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं.

उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट खेलना बहुत अच्छा है, कप्तानी करना और भी बेहतर था. हां... हम हार गए, लेकिन हम मैच में आगे थे और मुझे जिम्मेदारी पसंद है. कभी-कभी एक तेज गेंदबाज के रूकप में आप फाइन लेग पर जाते हैं और सब कुछ भूल जाते हैं, लेकिन मुझे प्रत्येक फैसले में शामिल होना पसंद है.'

मौका मिलने पर कौन कप्तानी नहीं करना चाहेगा..?

बुमराह ने कहा, 'और मौका मिलने पर कौन ऐसा नहीं करना चाहेगा? (कमिंस) ऑस्ट्रेलिया के लिए ऐसा कर रहा है. बहुत सारे तेज गेंदबाजों ने पहले ऐसा नहीं किया,' उन्होंने कहा, ''लेकिन यह एक अच्छा उदाहरण है कि तेज गेंदबाज चतुर होते हैं, वे कड़ी मेहनत करते हैं और वे जानते हैं कि खेल में क्या करना है.'5 बार की आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस के लिए ठोस प्रदर्शन करके भारतीय टीम में जगह बनाने के बावजूद बुमराह टेस्ट क्रिकेट को शीर्ष प्रारूप मानते हैं.उन्होंने कहा, 'मैं उस पीढ़ी का हूं जहां टेस्ट क्रिकेट राजा है.'

प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलकर गेंदबाजी सीखी

बुमराह ने कहा, 'मैं हमेशा इसके (टेस्ट क्रिकेट के) आधार पर अपना मूल्यांकन करूंगा. हां, मैंने आईपीएल से शुरुआत की थी, लेकिन मैंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट के माध्यम से गेंदबाजी करना सीखा. यहीं पर मैंने अपना कौशल निखारा, विकेट लेने की कला विकसित की. टेस्ट क्रिकेट में आपको बल्लेबाज को आउट करना होता है और इससे एक गेंदबाज के रूप में आपको चुनौती मिलती है.'

बुमराह ने हालांकि कहा कि सभी प्रारूपों की अपनी जगह है. उन्होंने कहा, 'सभी प्रारूपों की अपनी जगह है. काफी अधिक टेस्ट क्रिकेट उबाऊ हो सकता है, सफेद गेंद के काफी अधिक क्रिकेट के साथ भी ऐसा ही है. मुझे लगता है कि किसी एक प्रारूप की अधिकता की जगह खेल को सभी कुछ थोड़ा-थोड़ा चाहिए.'

RESIDENTIAL PLOTS
FOR SALE

SATGURU NAGAR
INDORE - KHANDWA ROAD

तुरन्त रजिस्ट्री। तुरन्त पजेशन

PLOT SIZE:-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT

1111/- SQFT

Book an appointment now:
8889066688, 9109639404

WWW.GATEWAYGHAR.IN

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के विलय की स्वीकृति

मल्हारगढ़ उद्वहन सिंचाई परियोजना के लिए 87 करोड़ 25 लाख रूपये की स्वीकृति

रतलाम जिले में तलावड़ा बैराज के निर्माण के लिये 264 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

भोपाल ।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के विलय की स्वीकृति दी गई। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग का विलय कर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के रूप में पुनर्गठित किया जायेगा। मेडिकल कॉलेज रूटीन चिकित्सा सेवाएं देने के बजाय अति गंभीर/विशिष्ट उपचार, चिकित्सा शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित कर सकेंगे। शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर की प्रभावी निगरानी हो सकेगी। मेडिकल कॉलेजों की बेस्ट प्रेक्टिसेस का स्वास्थ्य केन्द्रों में उपयोग किया जा सकेगा। मेडिकल कॉलेजों से जिला चिकित्सालयों को संबद्ध करना आसान हो जाएगा। स्वास्थ्य नीति और विभागीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं नियंत्रण में सुविधा मिलेगी। आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप में दोनों विभागों के विलय की अनुशंसा की गई थी।

मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम, 2011 के प्रावधानों में संशोधन

मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम, 2011 के प्रावधानों में संशोधन की स्वीकृति दी गई है। वर्तमान में आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय चिकित्सा, दंत चिकित्सा, नर्सिंग, आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, नेचरोपैथी आदि में पाठ्यक्रम संचालित करता है। नर्सिंग और पैरामेडिकल संस्थाओं और छात्र-छात्राओं की संख्या में वृद्धि को देखते हुए आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल को छोड़कर अन्य विषयों के पाठ्यक्रम संचालित करने का दायित्व दिया जायेगा। नर्सिंग एवं पैरामेडिकल विषयो से संबंधित पाठ्यक्रम का संचालन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्थापित अन्य विश्व विद्यालयों के माध्यम से किया जायेगा।

मल्हारगढ़ उद्वहन सिंचाई परियोजना के लिए 87 करोड़ 25 लाख रूपये से अधिक की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा अशोकनगर की तहसील मुंगावली में बेतवा नदी पर 87 करोड़ 25 लाख रूपये लागत की मल्हारगढ़ उद्वहन सिंचाई परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति दी गयी है। परियोजना से मुंगावली तहसील के 26 ग्रामों के 7500 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो सकेगी।

रतलाम जिले में तलावड़ा बैराज के निर्माण के लिये 264 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने रतलाम जिले में पेयजल आपूर्ति विस्तारित करने के लिए माही एवं मझोडिया समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत तलावड़ा बैराज (बांध) लागत रुपए 264 करोड़ 1 लाख रूपए की स्वीकृति दी है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत परियोजना से रतलाम जिले के 1011 ग्राम लाभान्वित होंगे। इसका निर्माण एवं रखरखाव जल संसाधन विभाग द्वारा किया जायेगा।

जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 में संशोधन

मंत्रि-परिषद ने जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 में संशोधन के लिए संसद को भेजे जाने वाले प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। कानून में जल प्रदूषण से जुड़े छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से हटाने और जुर्माने का प्रावधान करने जैसे संशोधन प्रस्तावित है।

सभी जिलों में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना का निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अतंर्गत प्रदेश के सभी जिलों में 1-1 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स स्थापित करने की स्वीकृति दी है। प्रदेश के 55 जिलों में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स स्थापित किया जायेगा। चयनित महाविद्यालयों में अतिरिक्त 1845 शैक्षणिक पदों व 387 अशैक्षणिक पदों की स्वीकृति दी गयी है। इसके लिए कुल 485 करोड़ रूपये के व्यय की स्वीकृति दी गयी।

छठवें वेतनमान की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत अनुदान प्राप्त अशासकीय संस्थाओं के शिक्षकों/कर्मचारियों को 1 जनवरी 2006 से छठवें वेतनमान का लाभ देने एवं 206 करोड़ 80 लाख रूपये के अनुमानित व्यय का अनुमोदन दिया गया है।

स्थापित करना होगा आत्मसम्मान

हमें अपना आत्मसम्मान स्थापित करना होगा और हमें अपना सम्मान करना होगा और हमें दूसरों का सम्मान करना होगा।. क्योंकि आप सभी संत हैं और संतों को लोगों का सम्मान करना है ... मैं हर समय बात कर रहा हूं ।. इसलिए आपको संतों का सम्मान करना होगा कि आप एक संत हैं और दूसरा संत है।. मैं हमेशा नामदेव का उदाहरण देता हूं।. नामदेव एक दर्जी, महान कवि और एक महान संत थे।. और वह एक और देखने गया, जिसका नाम गोरा कुम्हार था।. और जब वह खुम्बर बर्तन उसे देखने गया, तो गोरा खुम्बर बर्तन बनाने के लिए मिट्टी बुनाई में व्यस्त था, देखिए, अपने पैरों से वह मिट्टी बुन रहा था।. उसने उसकी तरफ देखा।. जब उसने उसकी तरफ देखा, तो वह बिना सोचे-समझे खड़ा हो गया।. और फिर वह जो शब्द इतना सुंदर कहता है, उसने कहाः मैं निरकारा, निर्वाण, विचार ... निराकार, कंपन का अर्थ देखने आया हूं।. मैं कंपन देखने आया था, लेकिन यहाँ यह रूप में है, खड़ा है ह्न।.

क्या प्रशंसा, क्या आराधना, एक संत से दूसरे में जिसने कभी दूसरे व्यक्ति को नहीं देखा।. लेकिन मैं इस पूरे निरकारा को देखता हूं, निर्वाण तुम्हारे रूप में है।.ह्नबस इसके बारे में सोचो।. और यही हमें होना है।. लेकिन अगर हम दूसरे सहजा योगियों पर भरोसा नहीं कर सकते, तो हम एक-दूसरे से प्यार नहीं कर सकते, हम एक-दूसरे को समझ नहीं सकते कि इसका मतलब है कि हम कुछ कम हैं, दूसरों की तुलना में कम हैं।. कुछ लोगों को हर समय आलोचना करने की आदत होती हैः श्यह सब ठीक नहीं हैश।. वे यह नहीं देखते हैं कि उनके भीतर कुछ गलत है जो वे दूसरों की आलोचना कर रहे हैं।.

इसलिए सहजा योग में आलोचना करने का कोई मौका नहीं है, पहली बात यह है कि आपको खुद देखना चाहिए कि आप क्या हैं और आप कहां खड़े हैं और आप सबसे पहले खुद की मदद कैसे करने जा रहे हैं।. तब आप दूसरों की मदद कर सकते हैं।. लेकिन दूसरों पर आलोचनात्मक नजर डालने की कोई जरूरत नहीं है।. क्योंकि तब आप कुछ भी नहीं के लिए अच्छे हो जाते हैं, आपने सभी बुरे काम किए हैं, आप अन्य लोगों में सभी बुरी चीजें देखते हैं और जो आप विकसित करते हैं वह एक गैर-सामूहिक व्यक्तित्व है, जो हमारे लिए ऐसा सिरदर्द है और अंततः आपको करना होगा सहजा योग से बाहर जाओ।.

श्री माताजी निर्मला देवी।
12 मार्च, 1990।

इंदौर-अयोध्या वीकली स्पेशल ट्रेन का टाइम टेबल जारी
10 फरवरी से चलेगी; भोपाल में संत हिरदाराम समेत MP के 6 स्टेशन पर रुकेगी

इंदौर-अयोध्या-इंदौर आस्था स्पेशल ट्रेन का शेड्यूल जारी हो गया है। ट्रेन सप्ताह में एक दिन चलेगी। यह 23 घंटे 10 मिनट में इंदौर से अयोध्या पहुंचाएगी। नई ट्रेन के लिए सिर्फ एक ही रैक मिला है। यानी यहीं ट्रेन आना-जाना दोनों करेंगी।

ट्रेन का मुख्य रूप से रतलाम, उज्जैन, भोपाल के बैरागढ़ (संत हिरदाराम नगर), बीना और झांसी स्टेशन पर स्टॉपेज होगा। इसका फाइनल शेड्यूल वेस्टर्न रेलवे ने जारी कर डीआरएम को तैयारी के लिए कह दिया है।

पहली ट्रेन इंदौर से 10 फरवरी को रवाना होगी। यही ट्रेन 12 फरवरी को इसी रूट से इंदौर के लिए वापस रवाना होगी। इसकी एवरेज स्पीड जाते समय 48 किमी प्रति घंटा होगी। वापसी में 50 किमी की स्पीड रहेगी।

फरवरी में ट्रेन का शेड्यूल, कुल 6 फेरे रहेंगे

कहां से कहां	रवानगी	वापसी
इंदौर से अयोध्या	10,17,24 फरवरी (शनिवार)	12,19,26 फरवरी (सोमवार)

इंदौर से दोपहर 1 बजे चलेगी, रतलाम होते हुए जाएगी

ट्रेन हर शनिवार दोपहर 1 बजे इंदौर से रवाना होगी। वह सबसे पहले रतलाम जंक्शन जाएगी वहां से घूम कर उज्जैन पहुंचेगी। इसके बाद आगे के लिए रवाना होगी और रविवार दोपहर 12.10 अयोध्या पहुंचेगी। अयोध्या से वापसी के लिए हर सोमवार रात 9.50 बजे रवाना होगी। मंगलवार रात 8.05 बजे इंदौर पहुंचेगी।

इंदौर के अवनीश ने की PM से मुलाकात
दिव्यांग-अनाथ बच्चों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे; राष्ट्रपति ने बाल पुरस्कार से किया था सम्मानित

इंदौर के 9 साल के अवनीश तिवारी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सोमवार को ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अवनीश समेत 19 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया था।

अवनीश मप्र (इंदौर) से एकमात्र नाम है जिसका चयन इस पुरस्कार के लिए हुआ था। वे सबसे कम उम्र के अवार्डी हैं। उन्हें समाज सेवा के क्षेत्र में अवार्ड ?मिला है। उसने सात साल की उम्र में माउंट एवरेज बैस कैंप की चढ़ाई की थी। वे ऐसा करने वाले पहले स्पेशल चाइल्ड हैं।

अवनीश डाउन सिंड्रोम से पीड़ित हैं। वह मुख्य रूप से अनाथ बच्चों और दिव्यांग बच्चों के अधिकारों के लिए काम करते हैं। यह उनका दूसरा राष्ट्रीय पुरस्कार है। उन्हें सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग बाल पुरस्कार भी मिल चुका है। प्रधानमंत्री बाल पुरस्कार से सम्मानित ये बच्चे गणतंत्र दिवस परेड समारोह में शामिल होंगे।

भोजशाला में नमाज होगी या नहीं-सुनवाई बसंत पंचमी बादहिन्दू पक्ष ने दायर की है याचिका, हर शुक्रवार नमाज और मंगलवार को होती है पूजा

धार भोजशाला विवाद को लेकर मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में चल रही सात जनहित याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई होना थी, लेकिन अब मामले में अगली तारीख दे दी गई है। सुनवाई फरवरी महीने में बसंत पंचमी के बाद 19 से 23 फरवरी के बीच होगी। याचिकाओं में एक याचिका हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने दायर की है। जिसमें मुसलमानों को भोजशाला में नमाज पढ़ने से तुरंत रोकने और हिंदुओं को नियमित पूजा का अधिकार देने की मांग की गई है।

एडवोकेट हरि शंकर जैन ने बताया कि मामले में जल्दी सुनवाई करने के लिए एक एप्लिकेशन लगाई गई थी। मंगलवार को सुनवाई होना थी, लेकिन अब अगले महीने फरवरी में सुनवाई होगी। मामले में शासन सहित सभी पक्षों की तरफ से जवाब दे दिया गया है।

याचिका में कहा गया है कि हर मंगलवार हिंदू भोजशाला में यज्ञ कर उसे पवित्र करते हैं और शुक्रवार को मुसलमान नमाज के नाम पर यज्ञ कुंड में थूक कर उन्हें अपवित्र कर देते हैं। हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता के शुरुआती तर्क सुनने के बाद इस मामले में राज्य शासन और केंद्र शासन सहित अन्य संबंधित पक्ष कारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। जिसके बाद शासन ने अपना जवाब दे दिया। याचिका के साथ 33 फोटोग्राफ भी लगाए गए हैं।

1 मई 2022 को दायर की गई थी जनहित याचिका

जनहित याचिका में मां सरस्वती मंदिर भोजशाला की मुक्ति और उसके गौरव की पुनर्स्थापना के लिए और लंदन में कैद मां वाग्देवी की मूर्ति को भोजशाला में पुनः स्थापित कर सभी हिंदुओं को नियमित पूजा,अर्चना,आरती का अधिकार देने की मांग की गई है। याचिका में मांग की गई है कि भोजशाला का पूर्ण आधिपत्य हिंदुओं को सौंपा जाए और इसके लिए आवश्यक हो तो संपूर्ण भोजशाला की फोटोग्राफी, वीडियो ग्राफी और खुदाई करवाई जाए। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने 1 मई 2022 को इंदौर हाईकोर्ट में यह याचिका दायर की थी, जिसे 2 मई को स्वीकार किया गया।

बता दें कि भोजशाला विवाद सदियों पुराना है। हिंदू पक्ष का कहना है कि यह सरस्वती देवी का मंदिर है। सदियों पहले मुसलमानों ने इसकी पवित्रता भंग करते हुए यहां मौलाना कमालुद्दीन की मजार बनाई थी। भोजशाला में आज भी देवी-देवताओं के चित्र और संस्कृत में श्लोक लिखे हुए हैं। अंग्रेज भोजशाला में लगी वाग्देवी की प्रतिमा को लंदन ले गए थे। याचिका में कहा है कि भोजशाला हिंदुओं के लिए उपासना स्थली है। मुसलमान नमाज के नाम पर भोजशाला के भीतर अवशेष मिटाने का काम कर रहे हैं।

अब 2026 में शुक्रवार को आएगी बसंत पंचमी

भोजशाला में मंगलवार को हिन्दू पक्ष को पूजा-अर्चना की अनुमति है, जबकि शुक्रवार को मुस्लिम पक्ष को नमाज पढ़ने के लिए दोपहर 1 से 3 बजे तक प्रवेश दिया जाता है। दोनों ही पक्षों को निःशुल्क प्रवेश मिलता है। बाकी दिनों में 1 रुपए का टिकट भोजशाला में प्रवेश के लिए लगता है। साल 2006, 2012, 2016 में शुक्रवार को बसंत पंचमी आई थी, तब विवाद की स्थिति बनी थी। अब साल 2026 में शुक्रवार को बसंत पंचमी आएगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)